भारतसरकार
GOVERNMENT OF INDIA
भारत मौसम विज्ञान विभाग
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT
मौसम केंद्र,बिरसा मुंडा विमानपत्तन
METEOROLOGICAL CENTRE, BIRSA MUNDA AIRPORT
राँची, झारखण्ड, पिन- 834002
RANCHI, JHARKHAND, PIN-834002
दूरभाष/Telephone: 2970311/2253254/2251709/253879 फैक्स/Fax: 0651-2251709/2253879
Website: http://mausam.imd.gov.in/ranchi/,e-mail: metranchi@gmail.com, mcranchi.fs@gmail.com

Years of Service to the Nation
राष्ट्र सेवा के 150 वर्ष

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक: 02.10.2025

विशेष बुलेटिन- 04

विषय: झारखण्ड में दिनांक 02 अक्तूबर से 05 अक्तूबर के लिए कृषि पर भारी से बहुत भारी वर्षा की प्रभाव आधारित चेतावनी:-

मौसम प्रणाली (Synoptic System): (0830 IST के अनुसार):-

- पश्चिम-मध्य और आसपास के उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में बना गहरा दबाव क्षेत्र(The Deep Depression) 13 किमी प्रति घंटे की गति से उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा और आज, 02 अक्टूबर 2025 को सुबह 08:30 बजे IST पर उसी क्षेत्र में, अक्षांश 18.0 डिग्री उत्तर और देशांतर 85.6 डिग्री पूर्व के पास केंद्रित था। यह गोपालपुर से लगभग 160 किमी दक्षिण-पूर्व, कालिंगपट्टनम (आंध्र प्रदेश) से 170 किमी पूर्व, पुरी (ओडिशा) से 200 किमी दक्षिण, विशाखापट्टनम (आंध्र प्रदेश) से 250 किमी पूर्व-उत्तर-पूर्व और पारादीप (ओडिशा) से 280 किमी दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम में है। इसके उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और 2 अक्टूबर की रात तक गोपालपुर और पारादीप के बीच ओडिशा और आसपास के आंध्र प्रदेश तट को पार करने की बहुत संभावना है।

प्रभाव :

इस मौसमी प्रणाली के प्रभाव से झारखंड में 02 से 05 अक्टूबर के दौरान राज्य के लगभग सभी जिलों में हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा देखने को मिलेगी जबकि कुछ जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की भी संभावना है । किसान भाईयों से अनुरोध है कि वे सतर्क रहें और आवश्यक सावधानी बरतें। इस दौरान वज्रपात और तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटा) की भी संभावना है।

भारी वर्षा से प्रभावित होने वाले जिले :

दिनांक	मध्य झारखण्ड (राँची, बोकारो, गुमला, हज़ारीबाग,कोडरमा, धनबाद, लोहरदगा , खूंटी तथा रामगढ)	दक्षिणी झारखण्ड (पूर्वी सिंघभूम, पश्चिमी सिंघभूम, सिमडेगा तथा सरायकेला खरसावाँ)	उत्तर-पश्चिमी झारखण्ड (पलामू, गढ़वा,चतरा तथा लातेहार)	उत्तर-पूर्वी झारखण्ड (देवघर, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामतारा, पाकुर तथा साहेबगंज)
02.10.25	राज्य के कोडरमा, चतरा , गढ़वा, लातेहार, लोहारदगा, पलामू, हजारीबाग, गुमला, सिमडेगा, जिलों में कहीं-कहीं पर भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना है ।			
	राज्य के देवघर, धनबाद, गिरिडीह, जामताड़ा, बोकारो, रामगढ़, रांची, खूंटी, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला खरसावां, पश्चिमी सिंहभूम, जिलों में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा की संभावना है ।			
03.10.25	राज्य के चतरा , गढ़वा, लातेहार, पलामू, हजारीबाग, जिलों में कहीं-कहीं पर भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना है ।			
	राज्य के धनबाद, गिरिडीह, कोडरमा, लोहारदगा, बोकारो, रामगढ़, रांची, गुमला, जिलों में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा की संभावना है ।			
04.10.25	राज्य के देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुर, साहिबगंज, कोडरमा, चतरा , गढ़वा, पलामू, हजारीबाग, जिलों में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा की संभावना है ।			
05.10.25	राज्य के दुमका, गोड्डा, पाकुर, साहिबगंज, जिलों में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा की संभावना है ।			

भारी वर्षा वाले जिलों को नीचे मानचित्र में भी दर्शाया गया है ।

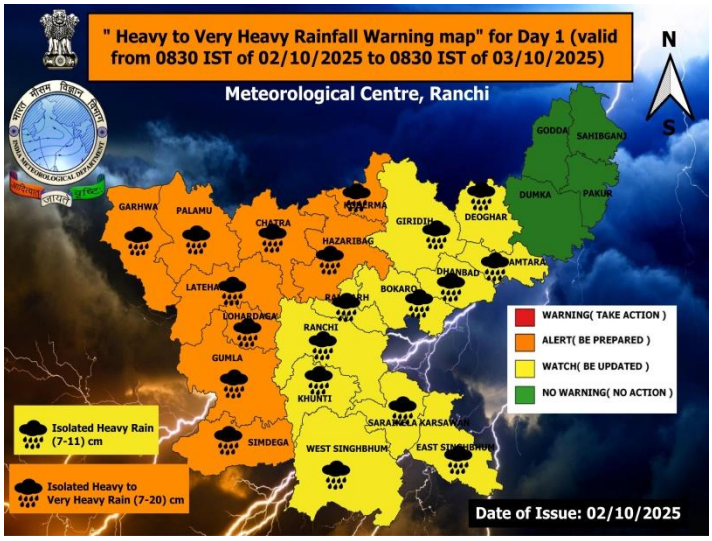

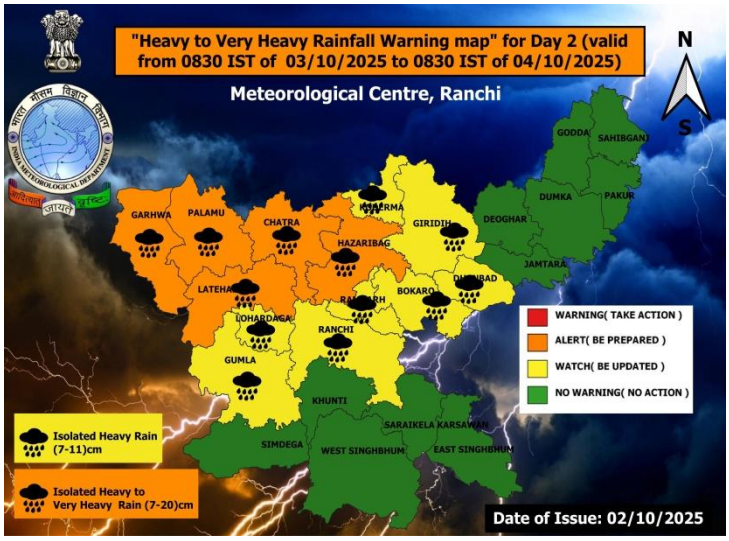

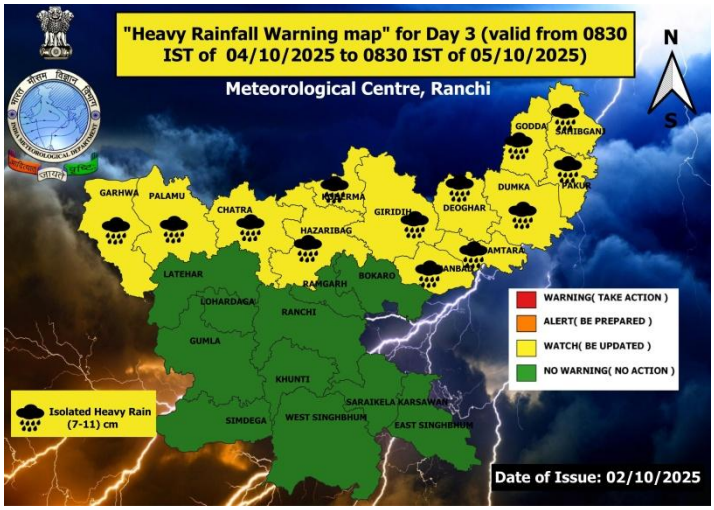

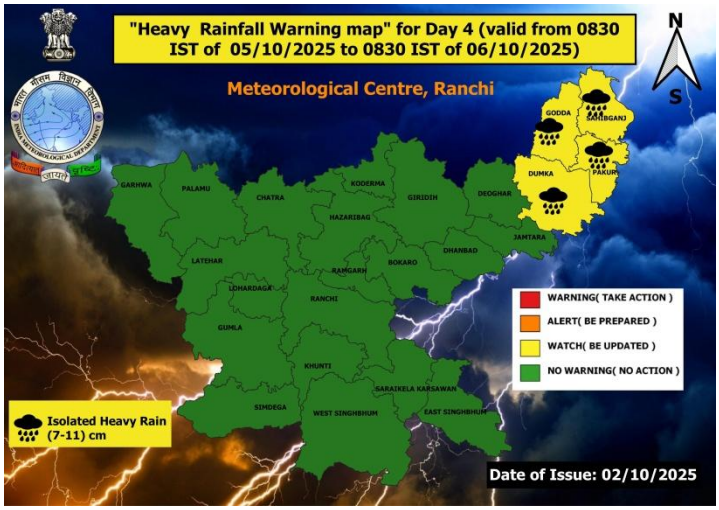

कृषि क्षेत्र पर भारी वर्षा का प्रभाव:-

फ़सल	प्रभाव	परामर्श
फल एवं सब्ज़ियों	फलों का झड़ना, फलों पर दाग लगना वर्षा के कारण सब्जियों का सड़ना नर्सरी में जल जमाव के कारण पौधों का सड़ना फलों का चटकना	जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। परिपक्क फल एवं सब्ज़ियों कि तुड़ाई कर लें एवं उन्हें सुरक्षित स्थानों पर रखें। खड़ी फसल में रोग के प्रसार को कम करने के लिए गिरे हुए फलों को हटा दें. किसी भी तरह के छिड़काव के लिए साफ़ मौसम के लिए रुकें।
धान	जल जमाव बनाये रखने के लिए मेड़ों को दुरुस्त रखें। ऊपरी खेतों से पानी निचली खेतों में लायें जिससे मध्यम और निचली ज़मीन पर लगे धान में पानी की पूर्ति कि जा सके।	कीट एवं रोगों के लिए फसल की निगरानी रखें। किसी भी तरह के छिड़काव के लिए साफ़ मौसम के लिए रुकें।
मक्का	जल जमाव के कारण बालियाँ छोटी रह सकती है एवं उपज में कमी आ सकती है।	जल निकासी की उचित सुविधा रखें। किसी भी तरह के छिड़काव के लिए साफ़ मौसम के लिए रुकें।
दलहनी एवं तिलहनी फसल	तैयार मूँगफली की कटाई कर लें एवं खड़े फसलों में जल जमाव ना होने दें। तैयार दलहनी एवं तिलहनी फसल की कटाई कर लें। बोई गई दलहनी एवं तिलहनी फसलों में जल जमाव से पत्तियों में पीलापन दिखाई देना एवं मुरझाना।	खेतों में जल निकासी की व्यवस्था करें। वर्षा के पश्चात रोगों एवं कीटों के लिए निगरानी रखें। किसी भी तरह के छिड़काव के लिए साफ़ मौसम के लिए रुकें।
पशुपालन	पीने के लिए स्वच्छ पानी दें। मवेशियों को खुले में ना छोड़ें। मौसम की स्थिति देख कर ही उन्हें बाहर ले जाएँ। मवेशियों के घर को अच्छी तरह ढक दें।	
वर्षा जल सांचियाँ	खेत में डोभा के निर्माण के माध्यम से यथास्थान संरक्षण और जल संचयन के माध्यम से वर्षा जल का प्रबंधन (निचले सिरे पर भूमि क्षेत्र के 1/10वें भाग पर) करें। ढलान के निचले हिस्से पर 10'X10'X10' का गड्ढा बना लें। जो सूखे दिनों मे फसलों की जल आपूर्ति को पूरा करने मे मदद कर सकते हैं ।	

पूर्वानुमान पदाधिकारी
मौसम केंद्र, रांची